Sugar

कीमत एवं इसके वितरण पर सभी नियंत्रण उठा दिये। परिणामत: चीनी में द्वैत कीमत प्रणाली (Dual pricing system) को समाप्त कर दिया गया।

चीनी का उत्पादन एवं उपभोग

वर्ष	उत्पादन (लाख टन)
1950-51	11
1970-71	37
1990-91	118
2000-01	185
2007-08	263
2008-09	147
2009-10	188
2010-11	243

स्रोत! भारतीय रिजर्व बैंक, Handbook of Statistics on the Indian Economy 2010-12.

1980-81 के पश्चात् चीनी के उत्पादन की स्थिति बहुत सन्तोष जनक रही है चाहे उत्पादन में भारी उच्चावचन हुए हैं और 1991-92 में चीनी का उत्पादन बढ़कर 133 लाख टन हो गया। पिछले दो दशकों के दौरान चीनी के उत्पादन एवं उपभोग की स्थिति संतोषजनक रही है। चीनी उत्पादन 130 लाख टन प्रति वर्ष के इर्द गिर्द रहा है, जबकि चीनी उत्पादन में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है। चीनी उद्योग के उपभोग में वृद्धि हुई परन्तु अपेक्षा कृत नीची दर से, इसके परिणामस्वरूप, वर्ष के अन्त पर उपलब्ध आरम्भिक स्टॉक में वृद्धि हो रही है - यह 1990-91 में 22 लाख टन से बढ़ कर 1997-98 में 65 लाख टन हो गया था। भारी अतिरिक्त स्टॉक होने के बावजूद भारत चीनी के निर्यात को बढ़ा नहीं पाया है क्योंकि भारतीय चीनी की कीमत अंतर्राष्ट्रीय कीमत की तुलना में काफी ऊँची थी। किन्तु अब चीनी का निर्यात धीरे-धीरे बढ़ रहा है। यह 1990-91 में 1.9 लाख टन से बढ़ कर 2005-06 में 3.9 लाख टन हो गया (मूल्य 598 करोड़ रुपये)

B+